

मनि गैस एजेंसी योजना

चर्चा में क्यों?

14 दिसंबर, 2023 को मीडिया से मलिा जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास वभाग ने प्रदेश के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में रसोई गैस सलडिर खतम होने पर उसे रफिलि कराने के लयि 'मनि गैस एजेंसी योजना' शुरू की है।

प्रमुख बडि

- प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू होने के बाद घर-घर गैस सलडिर तो पहुँच गए हैं, लेकनि खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में अब भी सलडिर रफिलि कराने के लयि लंबा इंतजार करना पडता है या कई कमी. दूर जाना पडता है। इस समस्या से पार पाने के लयि ग्राम्य विकास वभाग ने मनि गैस एजेंसी योजना शुरू की है।
- अपर सचवि एवं ग्राम्य विकास वभाग आयुक्त आनंद स्वरूप ने बताया कमिनि गैस एजेंसी का संचालन स्वयं सहायता समूह से जुडी महलाएँ करेंगी, इन्हें 'ईधन सखी' नाम दया गया है।
- पायलट प्रोजेक्ट के तौर चार ज़िलों में यह योजना शुरू हो चुकी है। शीघ्र ही योजना अन्य ज़िलों में भी शुरू होगी। अभी तक उत्तरकाशी की 40, टहिरी की 16 और हरदिवार की पाँच महलाओं सहति कुल 61 ईधन सखी तैयार हो चुकी हैं।
- एचपी कंपनी की ओर से महलाओं को मनि गैस एजेंसी संचालन की ट्रेनिगि दी जाएगी। इसके लयि सरकार ने एचपी कंपनी से करार कया है। आने वाले दनों में अन्य तेल कंपनयिों से भी इस तरह के करार कयि जाएंगे।
- मनि गैस एजेंसी में हर वक्त पाँच भरे हुए गैस सलडिर उपलब्ध रहेंगे। कंपनी की ओर से हर सलडिर पर ईधन सखी को 20 रुपए तक कमीशन मलैगा। बर्नर, चूलहा, इसकी सर्विस, गैस पाइप, नए कनेक्शन देने, डीबीसी कनेक्शन पर भी कंपनी की ओर से कमीशन दया जाएगा। गाँव-गाँव में प्रचार प्रसार करने पर एक हज़ार रुपए अलग से मलैंगे।
- ग्राम्य विकास वभाग आयुक्त आनंद स्वरूप ने बताया कइस योजना के दो उद्देश्य हैं। पहला स्वयं सहायता समूह की महलाओं की आय बढाना और दूसरा सुदूर क्षेत्रों में आसानी से गैस पहुँचाना।